लोडिंग ऑटो ने स्कूटर को मारी टक्कर, महिला की मौत

- बेटा गंभीर घायल, वाहन को किया जब्त
- पोलोग्राउंड क्षेत्र में हुआ सड़क हादसा

इंदौर. पोलोग्राउंड इलाके में मंगलवार दोपहर स्कूटर और लोडिंग ऑटो की टक्कर में महिला की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हुआ. पुलिस ने लोडिंग ऑटो रिक्शा जब्त कर मामला दर्ज किया है.

घटना सदर बाजार क्षेत्र के पोलोग्राउंड के पास हुई. थाना प्रभारी यशवंत बडोले ने बताया कि रजत पाल अपने स्कूटर से जा रहे थे, जिस पर पीछे उनकी मां सुनीता पाल बैठी थीं. इसी दौरान एक लोडिंग ऑटो ने स्कूटर को टक्कर मार दी. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर के समय महिला ऑटो और डिवाइडर के बीच फंस गई, जिससे उसका सिर गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई. घायल रजत पाल को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल भेजा है. पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना किया और लोडिंग ऑटो जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है.

अलग-अलग घटनाओं में चार की मौत

. शहर में अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई. इनमें इंजीनियरिंग की छात्रा और एक बर्तन व्यापारी की अचानक तबीयत बिगड़ने से जान चली गई, जबकि एक विवाहिता और एक युवक ने फांसी लगाकर जीवन समाप्त कर लिया. वहीं, ट्रेन से गिरे एक अज्ञात वृद्ध ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया. गुलाबबाग निवासी 23 वर्षीय मानसी परमार, जो इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही थी, की अचानक मौत हो गई. परिजनों ने बताया कि वह तीन दिनों से अस्वस्थ थी.

परिजन एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा. खुड़ैल क्षेत्र के तिल्लौरखुर्द में 30 वर्षीय अंजुम पत्नी अमजद ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना के समय उसका पति सोनकच्छ में जमीन के मामले की तारीख पर गया हुआ था. अंजुम दो बच्चों की मां थी. पुलिस अब यह जानने का प्रयास कर रही है कि उसने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया. इसी तरह अर्जुनसिंह नगर निवासी 32 वर्षीय निर्मल अहिरवार ने भी फांसी लगाकर जान दे दी. वह टाइल्स का काम करता था. मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं.

पुलिस ने उसका मोबाइल जब्त कर लिया है और जांच में जुटी है. इधर, गौरी नगर में रहने वाले 38 वर्षीय बर्तन व्यापारी अर्पित जैन की हार्ट अटैक से मौत हो गई. वह सुबह अचानक बीमार हुए और अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया. उधर, इंदौर रेलवे स्टेशन पर 18 सितंबर को प्लेटफार्म नंबर 6 से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए एक वृद्ध की भी कल उपचार के दौरान मौत हो गई. उसकी शिनाख्त न हो पाने पर जीआरपी ने अंतिम संस्कार करा दिया. सभी मामलों में पुलिस जांच कर रही है.

ट्रक हादसे पर हाईकोर्ट सख्त एंट्री प्वाइंट के मांगे फुटेज

- इंदौर में ही होगी अगली सुनवाई
- पुलिस से मांगी पूरी रिपोर्ट

नव भारत न्यूज

इंदौर. 15 सितंबर को शहर की सड़कों पर हुए भीषण ट्रक हादसे को लेकर हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ ने गंभीर रुख अपनाया है. चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की बेंच ने सोमवार को हुई सुनवाई में शासन और पुलिस से कई अहम बिंदुओं पर जवाब तलब किया.

सुनवाई में पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह वर्चुअल जुड़े थे, शासन की ओर से जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश की गई, जबकि हादसे की फुटेज पेन ड्राइव के जरिए अदालत को सौंपी गई. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हादसे की हकीकत सामने लाने के लिए उस एंट्री प्वाइंट के सीसीटीवी भी पेश करना जरूरी हैं, जहां से बेकाबू ट्रक शहर में घुसा था. फिलहाल शासन ने दुकानों के बाहर लगे कैमरों की फुटेज ही उपलब्ध कराई है. अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 10 अक्टूबर को इंदौर में तय की है. उस दिन चीफ जस्टिस खुद इंदौर हाईकोर्ट बेंच में मौजूद रहेंगे और पुलिस को सभी जरूरी साक्ष्य सहित रिपोर्ट पेश करनी होगी. गौरतलब है कि 15 सितंबर की शाम कालानी नगर से बड़ा गणपति स्क्वायर तक करीब दो किलोमीटर लंबे मार्ग पर ट्रक ने कई वाहनों और राहगीरों को कुचल दिया था. हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई थी और 12 लोग घायल हुए थे. एक बच्ची को गंभीर हालत में मुंबई एयरलिफ्ट किया गया. जांच में यह भी सामने आया कि हादसे के वक्त चालक गुलशेट खाज और क्लीनर शंकर शराब के नशे में धुत थे.

फर्जी नामांतरण पकड़ा तो बाबू ने पी लिया जहर

- नायब तहसीलदार की फटकार के बाद उठाया कदम, अस्पताल में भर्ती सस्पेंड भी हुआ

नव भारत न्यूज

इंदौर. जमीन के नामांतरण में फर्जीवाड़ा करते पकड़े जाने पर तहसील कार्यालय का एक बाबू खुद पर ही आफत ले बैठा. पकड़े जाने और कार्रवाई की आशंका से घबराकर उसने जहरीला पदार्थ खा लिया. समय पर अस्पताल पहुंचाए जाने से उसकी जान बच गई, लेकिन मामला खुलते ही अधिकारी ने तत्काल सस्पेंड कर दिया.

घटना सोमवार दोपहर कनाड़िया तहसील कार्यालय की है. यहां वरिष्ठ जूनियर डाटा इंट्री ऑपरेटर रवीन्द्र दुबे ने एक नामांतरण मामले में निरस्त आदेश को हटाकर नया फर्जी आदेश तैयार कर लिया था. सूत्रों के मुताबिक, वह इस आदेश पर अमल कराने की तैयारी में था. इसी बीच नायब तहसीलदार शिखा सोनी को इसकी भनक लग गई. उन्होंने तुरंत दुबे को बुलाकर कड़ी फटकार लगाई. फटकार और खुलासा होने पर दुबे घबरा गया और घर से लाया गुडनाइट रीफिल का लिक्विड पी लिया, कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ गई. मौके पर मौजूद कर्मचारियों और अधिकारियों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज जारी है. फिलहाल उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है. सूचना मिलते ही एसडीएम ओमनारायण बड़कुल भी अस्पताल पहुंचे और दुबे का हालचाल जाना. नायब तहसीलदार सोनी की रिपोर्ट के आधार पर कलेक्टर ने आरोपी बाबू को निलंबित कर दिया है. निलंबन अवधि में उसका मुख्यालय सांवेर कार्यालय तय किया है. अधिकारियों का कहना है कि अब तक नामांतरण और सीमांकन के मामलों में ऊंचे स्तर पर ही आरोप लगते रहे हैं,

एमवाय अस्पताल में तीसरे दिन भी हंगामा

- जयस का प्रदर्शन जारी
- कर्मचारी मोर्चा ने भी किया विरोध

इंदौर. एमवाय अस्पताल में चूहों के काटने से दो नवजातों की मौत के बाद जय आदिवासी युवा शक्ति का आंदोलन मंगलवार को तीसरे दिन भी जारी रहा. जयस ने एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया और सुपरिटेंडेंट डॉ. अशोक यादव को निलंबित करने की मांग उठाई.

वहीं, अस्पताल अधिकारीङ्कर्मचारी संयुक्त मोर्चा जयस के खिलाफ मैदान में आ गया. मोर्चा का आरोप है कि शासन की कार्रवाई के बावजूद जयस ब्लैकमेलिंग की नीयत से आंदोलन कर रहा है, जिससे इलाज बाधित हो रहा है और मरीजों व परिजनों को परेशानी उठानी पड़ रही है. मोर्चा प्रतिनिधि डॉ. डी.के. शर्मा ने कहा कि संगठन प्रशासन की अनुमति के बिना

प्रदर्शन कर रहे हैं. मंगलवार दोपहर अस्पताल परिसर में दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए. नारेबाजी और आरोप-प्रत्यारोप के बीच पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्ट्रेचरों से अस्थायी बैरिकेड बनाकर टकराव टालने की कोशिश की. जयस अध्यक्ष लोकेश मुजाल्दा ने आरोप लगाया कि प्रशासन आंदोलन कुचलने के लिए पुलिस और कर्मचारियों का सहारा ले रहा है. उन्होंने कहा कि नवजात की मौत मानवता के लिए कलंक है और आंदोलन न्याय की लड़ाई है. उधर, एमजीएम मेडिकल कॉलेज के पूर्व छात्र संघ ने भी जयस के आंदोलन का समर्थन कर मामले को और तूल दे दिया है.

ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार

इंदौर. बाणगंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत भागीरथपुरा चौकी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले युवक को दबोच लिया. आरोपी विनायक उर्फ वीन पिता केदारनाथ योगी निवासी 649, योगी भवन, भागीरथपुरा के पास से 12.55 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त हुई है, जिसकी कीमत लगभग 1.20 लाख रुपए बताई जा रही है. थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने बताया कि आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है और उसके परिवारजन भी नशे के सेवन व विक्रय में लिप्त रहे हैं. पूछताछ में आरोपी ने शहर में सक्रिय कई ड्रग पैडलरों के नाम उजागर किए हैं. पुलिस अब आरोपी का रिमांड लेकर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश करेगी. आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है.

एक नजर में | मामल जूनी इंदौर क्षेत्र के चंद्रभाग मार्ग का

रास्ता बंद होने से व्यापार ठप

इंदौर. शहर में विकास कार्यों के तहत कई क्षेत्रों में सड़क निर्माण किया जा रहा है, लेकिन योजनाओं में खामियों के कारण आम नागरिकों और व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

जूनी इंदौर क्षेत्र के चंद्रभागा मार्ग पर सड़क और नाला निर्माण कार्य चल रहा है. यह मार्ग पहले से ही संकरा था और यातायात जाम की समस्या बनी रहती थी. मार्ग से सटे 15 फीट गहरे नाले की वर्षों से सफाई और रखरखाव न होने से बरसात में जलभराव की स्थिति बनती थी. बारिश का पानी तीन फीट तक सड़क पर भर जाता था, जिससे आमजन का जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता था. इन समस्याओं से निजात दिलाने के लिए मार्ग का चौड़ीकरण और नाले को कवर करने का कार्य शुरू किया गया. लेकिन निर्माण योजना में खामियों के चलते दिक्कतें और बढ़ गई हैं. पूरा मार्ग एक साथ बंद कर दिया गया है, जिससे दोनों ओर के व्यापारियों का कारोबार ठप हो गया है. कई दुकानदार मजबूर होकर अपना व्यवसाय बंद कर दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं. खासकर मिट्टी के बर्तन और मूर्तियां बनाने वालों की आजीविका पर गहरा असर पड़ा है. आसपास के रहवासी भी आवाजाही की दिक्कतों से जूझ रहे हैं. अब देखना यह होगा कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद वाकई लोगों को राहत मिलेगी या फिर समस्याएं बरकरार रहेंगी. इसका जवाब अगली बरसात पर ही मिलेगा.

इनका कहना है...

पहले नल को ओपन किया फिर सभी व्यापारियों ने अपनी दुकानों के आगे पटिया लगाए. अब पूरी तरह से तोड़ दिया. साल भर से व्यापार पूरी तरह से ठप्प पड़ा

- शायर बाई

रास्ता बंद पड़ा है. बाहर के व्यापारी भी नहीं आ रहे हैं. गणेश चतुर्थी सीजन खराब रहा. अब दिवाली पर क्या होगा पता नहीं. लोग मटके लेने तक नहीं आ रहे.

- मनीष आर्या

कार्य पूरा होने पर सभी को सुविधा हो जाएगी लेकिन नगर निगम को वन साइड वे करके कार्य करना था. इससे व्यापारियों और राहगीरों को असुविधा नहीं उठानी पड़ती.

- याक़ूब अली